BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS COMPILED BY MEDIA CELL (07.04.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE :07.04.2025, PAGE-04

एक देश एक पुस्तकालय अधिनियम बने

■ बीआरएबीयू में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

■ अमित किशोर को मिला सर्वोत्तम पेपर का अवार्ड

विवि में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन पर मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता व अन्य।

मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता। बिहार के लगभग 8053 ग्राम पंचायतों, लगभग 533 प्रखंड समितियों एवं 36 जिला परिषदों में सरकार पुस्तकालय खोलने जा रही है, जो अंतिम चरण में है। ये बातें रविवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय मुख्यालय अंतर्गत केन्द्रीय पुस्तकालय स्थित सीनेट सभागार में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन करते हुए बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कही।

उन्होंने देश के कोने-कोने से आये प्रतिभागियों, विषय विशेषज्ञों एवं आयोजन समिति को धन्यवाद दिया कि लाइब्रेरी साइंस पर पहलीबार बिहार विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी में एक देश एक पुस्तकालय अधिनियम बनाने को भी मजबूती से रखा गया। मुख्य अतिथि दिल्ली विवि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के प्रोफेसर केपी सिंह ने कहा कि देश के युवा स्वामी विवेकानंद का अनुशरण करें ताकि हमारा देश 2047 से पहले विकसित हो सके। विशिष्ट अतिथि बाबा साहेब भीमराव अंबेदकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलानुशासक प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार को एक देश एक चुनाव, वन नेशन वन सब्सक्रीप्शन के तर्ज पर एक देश एक पुस्तकालय अधिनियम बनाना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजय कुमार ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग ने तीन दिवसीय सफल राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर पूरे देश में इस विश्वविद्यालय को प्रतिस्थापित करने का कार्य किया है। कार्यक्रम में डॉ. अमित किशोर की पुस्तक ज्ञान संगठन, सूचना प्रसंस्करण एवं पुनर्प्राप्ति का लोकार्पण किया गया। उन्हें सर्वोत्तम पेपर अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। इसमें लखनऊ से प्रो. सोनकर, कोलकता से प्रो. सुवर्णो दास, बोधगया से डी. रूद्र ना. शुक्ला समेत अन्य लोग शामिल रहे।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

HINDUSTAN,
MUZAFFARPUR
DATE: 07.04.2025
PAGE-04

विवि में सिंडिकेट की दूसरी बैठक आज

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू में सोमवार को सिंडिकेट की दूसरी बैठक होगी। बैठक में पहली बैठक के प्रस्तावों के साथ वोकेशनल कोर्स और बिल्डिंग कमेटी के प्रस्तावों पर चर्चा और इसे पास कराया जायेगा।

बैठक को लेकर रविवार को दिनभर तैयारी चलती रही। इसके अलावा 12 अप्रैल को होने वाली सीनेट की बैठक को लेकर भी तैयारी का सिलसिला चलता रहा। सिंडिकेट की पहली बैठक में 12 कॉलेजों की संबद्धता को सशर्त पास किया गया था।

सीनेट की बैठक में वोकेशनल कोर्स की फीस वृद्धि पर भी चर्चा की जायेगी। सोमवार को होने वाली सिंडिकेट की बैठक में सीनेट के एजेंडे पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा प्रो. ललन कुमार के बकाये भुगतान पर भी चर्चा की जायेगी। रविवार को विश्वविद्यालय में कुलपति और अन्य अधिकारियों ने सीनेट की बैठक को लेकर दस्तावेज तैयार किये। सीनेट में प्रश्नकाल 30 मिनट का होगा। सीनेट की बैठक में एकेडमिक काउंसिल और वित्त समिति के सदस्यों का भी चुनाव किया जाएगा।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:07.04.2025, PAGE-04

अब ओएमआर शीट पर होगी स्नातक की परीक्षा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में अब स्नातक के विभिन्न सेमेस्टरों में कई पत्रों की परीक्षा ओएमआर शीट पर कराई जाएगी। इसमें स्नातक के फर्स्ट, सेकंड, थर्ड समेत आगे आने वाले सेमेस्टरों की परीक्षा इसी तरह कराई जाएगी। इसमें वीएसी यानी वैल्यू एडेड कोर्स, एएसी यानी एबिलिटी एन्हांसमेंट कोर्स, एसइसी यानी स्किल एन्हांसमेंट कोर्स समेत अन्य को शामिल किया गया है। इन पेपरों की पढ़ाई सभी संकाय के छात्र-छात्राएं करते हैं। इस कारण एएसी और एसइसी जैसे विषयों में कापियों की संख्या लाखों में पहुंच जाती है। अगर स्नातक के प्रथम सेमेस्टर में अगर 1.50 लाख विद्यार्थियों ने परीक्षा दी है तो सभी को एएसी या एसइसी जैसे विषय को पढ़ना अनिवार्य बनाया गया है। ऐसे पत्रों की परीक्षा ओएमआर शीट पर कराए जाने का प्रस्ताव विश्वविद्यालय की ओर से तैयार किया गया है। बताया जा रहा है कि

विश्वविद्यालय ने तैयार किया प्रस्ताव स्नातक के फर्स्ट, सेकंड, थर्ड समेत आगे आने वाले सेमेस्टरों की परीक्षा भी इसी तरह कराई जाएगी

कुलपति से अनुमति मिलने के बाद ही स्नातक के अगले सेमेस्टर की परीक्षाओं में इसे लागू कर दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि स्नातक की परीक्षाओं का भार कम करने के लिए और कम समय में परिणाम जारी करने के लिए विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के स्तर से यह योजना तैयार की गई है। ओएमआर शीट पर एएसी और एसइसी जैसे पत्रों की परीक्षा होने से जल्द ही इसका रिजल्ट जारी कर दिया जाएगा। अभी स्नातक की कापियों की मूल्यांकन प्रक्रिया में सबसे अधिक समय ऐसे ही पत्रों की जांच में लगता है। इससे परिणाम जारी करने में देरी होती है और परीक्षाओं का बोझ बढ़ता जाता है। सूत्रों ने बताया कि परीक्षा विभाग के स्तर से स्नातक के कुछ पत्रों की परीक्षा ओएमआर शीट पर कराए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। फिलहाल स्नातक की परीक्षा के बाद दो से तीन महीने केवल कापियों के मूल्यांकन में ही लग जाते हैं। दूसरी ओर स्नातक में सेमेस्टर सिस्टम लागू होने के साथ ही हर छह महीने में स्नातक के छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा होना अनिवार्य है।

सबसे अधिक छात्र स्वच्छ भारत की करते हैं पढ़ाई : स्नातक प्रथम सेमेस्टर में सबसे अधिक विद्यार्थी स्वच्छ भारत पत्र की पढ़ाई करते हैं। प्रथम सेमेस्टर के वीएसी यानी वैल्यू एडेड कोर्स में एथिक्स एंड कल्चर, स्वच्छ भारत और स्पोर्ट्स फार लाइफ का निर्धारण किया गया है। इसी तरह एसइसी में भी तीन कोर्स में तीन पत्र निर्धारित हैं। थर्ड सेमेस्टर में एएसी में डिजास्टर रिस्क मैनेजमेंट और स्किल एन्हांसमेंट कोर्स में पर्सनल फाइनेंशियल प्लानिंग, रचनात्मक लेखन, रंगमंच समेत अन्य पत्र को शामिल किया गया है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:07.04.2025, PAGE-04

ला के नए कोर्स को नहीं मिली मंजूरी

पिछले दिनों एकेडमिक काउंसिल की बैठक में पेश नहीं किया जा सका अनुमोदन प्रस्ताव

- ला कोर्स के लिए चार सदस्यीय समिति ने किया है नए पाठ्यक्रम को तैयार
- सत्र 2024-25 से ही सेमेस्टर सिस्टम में ला की पढ़ाई शुरू करने किया गया था दावा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में संचालित होने वाले ला कोर्स के नए पाठ्यक्रम और आर्डिनेंस-रेगुलेशन को विश्वविद्यालय के विभिन्न स्टैच्युटरी बाडी से मंजूरी नहीं मिल सकी है। पिछले दिनों एकेडमिक काउंसिल की बैठक हुई, लेकिन प्रस्ताव को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत नहीं किया जा सका। ऐसे में नए सत्र से भी सेमेस्टर सिस्टम में ला की पढ़ाई शुरू होने पर संशय कायम है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय की ओर से पिछले वर्ष सत्र 2024-25 से ही सेमेस्टर सिस्टम में ला की पढ़ाई शुरू करने का दावा किया गया था। राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर सिस्टम के तहत ला कोर्स की पढ़ाई चल रही है, लेकिन बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के ला कोर्स का संचालन अब भी वार्षिक मोड में हो रहा है। दूसरी ओर पिछले दिनों ही बार काउंसिल आफ इंडिया की ओर से ला कोर्स का संचालन सेमेस्टर सिस्टम में किए जाने का निर्देश दिया जा चुका है।

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में पिछले दिनों ला कोर्स के नए पाठ्यक्रम और आर्डिनेंस-रेगुलशन को अंतिम रूप देने के लिए समिति का गठन किया गया। करीब 10 महीनों से अधिक समय तक समिति ने अलग - अलग राष्ट्रीय स्तर के ला संस्थानों और बार काउंसिल के गाइडलाइन के आधार पर अपडेट पाठ्यक्रम तैयार करते हुए सेमेस्टर सिस्टम में संचालित होने वाले कोर्स का नया आर्डिनेंस - रेगुलेशन तैयार किया। समिति के स्तर से इसे विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा दिया

गया। बावजूद इसके पिछले दिनों हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसे प्रस्तुत नहीं किया जा सका। ऐसे में सत्र 2025 - 26 के लिए भी ला कोर्स की पढ़ाई सेमेस्टर सिस्टम में शुरू किए जाने पर संशय की स्थिति कायम है।

दूसरी ओर विश्वविद्यालय का कहना है कि नए सत्र से सेमेस्टर सिस्टम में ला की पढ़ाई होगी लेकिन अब तक की तैयारी को देखते हुए इस दावे पर सवाल खड़े हो रहे हैं। एकेडमिक काउंसिल में प्रस्ताव नहीं रखे जाने का कारण उसके बाद हुई सिंडिकेट की बैठक में भी इस पर चर्चा नहीं हो सकी। ऐसे में सीनेट से पहले सोमवार को होने वाली सिंडिकेट की दूसरी बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा होने की काफी कम उम्मीद है।

समिति ने जनवरी में विश्वविद्यालय को कराया उपलब्ध : पिछले वर्ष कुलपति प्रो. डीसी राय के निर्देश पर चार सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। इसमें विश्वविद्यालय पीजी राजनीति विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. अनिल कुमार ओझा, तत्कालीन ला अधिकारी डा. मयंक कपिला, पटना ला कालेज के तत्कालीन प्राचार्य प्रो. वाणीभूषण के साथ एसकेजे ला कालेज के प्राचार्य डा. केकेएन तिवारी शामिल किए गए थे। कमिटी के सदस्य प्रो. अनिल कुमार ओझा ने बताया कि जनवरी में नया पाठ्यक्रम और आर्डिनेंस - रेगुलेशन तैयार कर इसे विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा दिया गया है। इसे विभिन्न स्टैच्युटरी बाडी से अनुमोदन के बाद राजभवन से मंजूरी लेकर लागू किया जाना था।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE:07.04.2025, PAGE-04

पूरे बिहार में पुस्तकालय खोले जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में : केदार

सेमिनार में पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता को दिया गया स्मृति चिह्न • आयोजक

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि बिहार सरकार पूरे बिहार के 8053 ग्राम पंचायतों, 533 प्रखंड समितियों व 36 जिला परिषदों में पुस्तकालय खोलने जा रही है। इसे शुरू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। वे रविवार को बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन के अवसर पर बोल रहे थे।

बाबा साहेब भीमराव आंबेदकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ के प्राक्टर, संकायाध्यक्ष और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार को एक देश एक चुनाव की तरह ही वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन को लागू करते हुए एक देश एक पुस्तकालय अधिनियम होना चाहिए। दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रो. केपी सिंह ने कहा कि देश के युवा स्वामी विवेकानंद का अनुसरण करें ताकि, हमारा देश आगामी 2047 से पहले विकसित हो सके।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:07.04.2025, PAGE-04

चार सदस्यीय कमेटी की रिपोर्ट के बाद भी चल रही पुरानी व्यवस्था

सेमेस्टर सिस्टम से नहीं हुआ लॉ का कोर्स, पुराने पैटर्न पर पढ़ाई

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में लॉ कोर्स की पढ़ाई में ही नियमों की अनदेखी की जा रही है. नयी शिक्षा नीति लागू होने के बाद लॉ कोर्स को भी सेमेस्टर सिस्टम के तहत अपडेट किया जाना है. इसके लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया की ओर से सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं.

इसी के आधार पर पिछले साल कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय के आदेश पर 4 सदस्यीय कमेटी गठित की गयी. जबकि यहां अभी भी पुराने पैटर्न पर ही कॉलेजों में पढ़ाई चल रही है. करीब सालभर से सिलेबस अपडेट करने के साथ ही ऑर्डिनेंस- रेगुलेशन तैयार करने की कवायद चल रही है.

कमेटी बनी और सत्र 2024-25 से ही सिलेबस सिस्टम लागू करने की बात कही गयी थी. लेकिन, अभी तक जो स्थिति है, उसे देखकर सत्र 2025-26 में भी लागू करना मुश्किल लग रहा है. जबकि राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में सेमेस्टर सिस्टम लागू कर दिया गया है. नये सिलेबस लागू होने के बाद 3 वर्षीय एलएलबी कोर्स में 6 सेमेस्टर होंगे, जबकि 5 वर्षीय बीए एलएलबी कोर्स के विद्यार्थियों को 10 सेमेस्टर की पढ़ाई करनी होगी. पटना लॉ कॉलेज में 3 वर्षीय लॉ कोर्स की पढ़ाई होती है. वहां सेमेस्टर सिस्टम लागू कर दिया गया है.

रेगुलेशन भी तैयार है. दूसरी ओर विवि के तीन संबद्ध कॉलेजों में पहले लॉ की पढ़ाई होती थी. पिछले सत्र में यह संख्या बढ़कर करीब दर्जनभर हो गई. वहीं इस सत्र में और कॉलेजों ने भी संबद्धता के लिए आवेदन किया है. कॉलेजों में एलएलबी और बीए एलएलबी के कोर्स संचालित होते हैं. इनकी परीक्षा अभी तक वार्षिक होती है.

एकेडमिक काउंसिल में नहीं रखा गया प्रस्ताव : इसी वर्ष जनवरी में ही प्रो अनिल ओझा की अध्यक्षता वाली कमेटी ने लॉ कोर्स के अपडेट सिलेबस के साथ ही ऑर्डिनेंस और रेगुलेशन तैयार कर विश्वविद्यालय को दे दिया है. इसके बाद इसे एकेडमिक काउंसिल, सिंडिकेट और सीनेट से स्वीकृत कराकर लागू करना है. लेकिन, पिछले महीने हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में इसका प्रस्ताव नहीं रखा गया. प्रो ओझा ने बताया कि ऑर्डिनेंस-रेगुलेशन तैयार हो गया है. लॉ कोर्स का सिलेबस भी अपग्रेड किया गया है. परीक्षा विभाग के लॉ सेक्शन को जनवरी में सभी सदस्यों के साथ अपनी रिपोर्ट उपलब्ध करा दिए हैं.

विवि में सिंडिकेट की बैठक, आज छात्र संवाद स्थगित

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू में सोमवार को होने वाली छात्र संवाद की बैठक स्थगित कर दी गयी है. यह जानकारी प्रॉक्टर प्रो बीएस राय ने दी. उन्होंने बताया कि सोमवार को सिंडिकेट की बैठक होनी है. ऐसे में छात्र संवाद को स्थगित किया गया है.

एकेडमिक काउंसिल के 6 सदस्य का होगा चुनाव

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू में 12 अप्रैल को होनेवाली सीनेट की बैठक में एकेडमिक काउंसिल के छह और सिंडिकेट के आठ सदस्यों का चुनाव होगा. इसके लिए सीनेट में ही वोटिंग प्रक्रिया होगी. एकेडमिक काउंसिल के छह पदों पर सात उम्मीदवार मैदान में हैं. विवि की ओर से स्क्रूटनी के बाद इसकी सूची जारी कर दी गयी है. स्क्रूटनी के बाद डॉ चौधरी साकेत कुमार - विवि कॉमर्स विभाग, डॉ महजबी परवीन- रामेश्वर कॉलेज, कॉमर्स, डा. सौरव राज, आरडीएस कॉलेज, (मनोविज्ञान), सामाजिक विज्ञान, डॉ रमण कुमार - बीपीएस कॉलेज, देसरी (मनोविज्ञान), सामाजिक विज्ञान, डॉ श्याम आनंद झा-एलएन मिश्र कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, डॉ सुशांत कुमार -विवि हिंदी विभाग, मानविकी, डॉ राकेश कुमार-आरडीएस कॉलेज, रसायनशास्त्र विभाग, साइंस मैदान में है.

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:07.04.2025, PAGE-04

एक देश एक पुस्तकालय कानून बनाने की उठी मांग

विवि में राष्ट्रीय सेमिनार का दीप जलाकर उद्घाटन करते मंत्री केदार गुप्ता व अन्य.

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के केंद्रीय पुस्तकालय स्थित सीनेट सभागार में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ. बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि हमारी सरकार 8,053 ग्राम पंचायतों, 533 प्रखंड समितियों एवं 36 जिला परिषदों में पुस्तकालय खोलेगी. यह अंतिम चरण में है. उन्होंने देश के कोने-कोने से आये प्रतिभागियों, विषय विशेषज्ञों एवं आयोजन समिति खासकर केंद्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ केके चौधरी को धन्यवाद दिया. मुख्य अतिथि के तौर पर दिल्ली विवि पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के प्रोफेसर व दिल्ली विवि अंतर्गत गांधी भवन के निदेशक प्रो केपी सिंह ने कहा कि देश के युवा स्वामी विवेकानंद का अनुसरण करें, ताकि हमारा देश आगामी 2047 से पहले विकसित हो सके. लखनऊ विवि के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो (डॉ.) एमपी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार को एक देश, एक पुस्तकालय अधिनियम बनाना चाहिये. इस दौरान डॉ अमित किशोर की ओर से लिखी गयी पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया. कार्यक्रम के संयोजक व केंद्रीय पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ कौशल किशोर चौधरी ने स्वागत भाषण दिया. इस दौरान बीएचयू के उप-पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ संजीव सर्राफ के साथ डॉ मुन्ना यादव, ध्रुव कुमार ताम्रकार, सागर विवि, एमपी से चन्द्रपाल यादव, आयोजन सचिव डॉ गौरी कुमारी, लखनऊ से प्रो सोनकर, कोलकाता से प्रो सुवर्णा दास, बोधगया से डॉ रूद्र नारायण शुक्ला, डॉ पूनम, गुवाहाटी से प्रो संजय सिंह, हाजीपुर से संदीप कुमार सहित कई विद्वान उपस्थित थे.